तुम्हारी धूम है साबिर | By Shah Alam

तुम्हारी शान आला है, तुम्हारी धूम है साबिर
मिले हसनैन का सदक़ा मेरे मखदूम अली साबिर
मेरे मखदूम अली साबिर , मेरे मखदूम अली साबिर

करम की एक नज़र कर दो निराली शान वाले हो
फरीदुद्दीन के दिलबर करम के तुम उजाले हो
मेरे मखदूम अली साबिर, मेरे मखदूम अली साबिर
तुम्हारी शान आला है, तुम्हारी धूम है साबिर

करू फरियाद मैं तुमसे सुनो ऐ वालिये कलियर
करम हो जाये जो तेरा तो सँवरे मेरा मुक़द्दर
मेरे मखदूम अली साबिर, मेरे मखदूम अली साबिर
तुम्हारी शान आला है, तुम्हारी धूम है साबिर

तुम्हारे दर पे आया है ये तारिक़ की सदा सुन लो
रसूल ए पाक के सदके ये मेरी इल्तिजा सुन लो
मेरे मखदूम अली साबिर, मेरे मखदूम अली साबिर
तुम्हारी शान आला है, तुम्हारी धूम है साबिर

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a7%e0%a5%82%e0%a4%ae-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b0-by-shah-alam/